6. जीईएम (सरकारी ई-मार्केटप्लेस)

जीईएम पोर्टल के माध्यम से आम वस्तुओं और सेवाओं की खरीद के लिए आपूर्तिकर्ताओं को भुगतान के वित्तीय एकीकरण के लिए सभी बैंकों के बीच आपका बैंक अग्रणी है। आपके बैंक के साथ पांच राज्यों और 988 स्वायत्त निकायों के जीईएम पूल खाते खोले गए हैं।

7. ई-टेंडरिंग

एसबीएमओपी के साथ एकीकृत करके 12 राज्य सरकारों को उत्पाद प्रदान किया गया है। हमारी कोशिश है कि चरणबद्ध तरीके से सभी राज्य सरकारों को इसमें शामिल करें। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के लिए सीपीडब्ल्यूडी और एनआरआईडीए (नेशनल रूरल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट एजेंसी) को ई-टेंडरिंग सॉल्यूशन उपलब्ध कराया जा रहा है।

8. पासपोर्ट सेवा परियोजना

पासपोर्ट सेवा परियोजना में एसबीएमओपी के साथ एकीकृत कर शुल्क वसूलने के लिए आपका बैंक एकमात्र बैंकर है। वैकल्पिक विकल्प प्रदान करने के लिए एसबीआई ई-पे के साथ एकीकरण भी चल रहा है।

9. रेल मंत्रालय

लेनदेन के लिए सफल परीक्षण बाद एसबीआई यूपीआई और रेलवे (क्रिस) एटीवीएम टिकट का एकीकरण अंतिम चरण में है। चलती ट्रेनों में उपयोग के लिए टिकट परीक्षकों (टीसी) को पीओएस मशीनें उपलब्ध कराई जा रही हैं। अबतक 10326 मशीनें चालू की गई हैं।

10. डाक विभाग

एसबीआई (मैन्डेट और वैन मॉडल दोनों के लिए) के माध्यम से डाक जीवन बीमा के संग्रह करने के लिए सहमति ज्ञापन निष्पादित किया गया है।

डाक विभाग के संपूर्ण भुगतानों के लिए प्रायोगिक आधार पर आपके बैंक द्वारा वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान दिल्ली पीएओ में केंद्रीकृत एकीकृत भुगतान प्रणाली (सीआईपीएस) को लागू किया गया है। सफल कार्यान्वयन के पश्चात, अब डाक मुख्यालयों द्वारा इस योजना को पैन इंडिया स्तर पर कार्यान्वित करने का निर्णय लिया गया है और इससे संबंधित एमओयू शीघ्र ही निष्पादित किया जाएगा ।

11. आयकर वापसी आदेश (आईटीआरओ)

सीबीडीटी के साथ निष्पादित एमओयू के अनुसार आपका बैंक आयकर वापसी के लिए एकमात्र रिफंड बैंकर है। वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान एसबीआई ने सफलतापूर्वक 2.6 लाख करोड़ के 2.6 करोड़ से अधिक रिफंड संसाधित किए गए हैं।

12. राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए)

राज्यों में राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण (एसएचए) की मदद से देश में आयुष्मान भारत योजना (एबीवाई) के कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) केंद्रीय, समन्वयकारी संगठन है। एनएचए के साथ प्रमुख बैंकर के रूप में जुड़े रहना आपके बैंक के लिए गौरव की बात है ।

13. पेंशन भुगतान

भारतीय स्टेट बैंक 58.81 लाख पेंशनभोगियों को पेंशन भुगतान का प्रबंध कर रहा है और वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान 1,50,860 करोड़ रुपये से अधिक की कुल पेंशन का वितरण किया गया है। वित्तीय वर्ष 2020-21 में 3.38 लाख पेंशनभोगियों के नए पेंशन खाते जोड़े गए हैं।

आपके बैंक ने पेंशन सेवा वेबसाइट www.pensionseva.sbi को नया रूप दिया है, जिससे पेंशनभोगी अपने घर पर बैठ कर लॉग इन कर आसानी से लेन-देन विवरण, पेंशन पर्ची, बकाया गणना पत्रक आदि जैसे अपने पेंशन विवरण देख सकते हैं ।

14. लघु बचत योजनाएं

सभी प्राधिकृत बैंकों में भारतीय स्टेट बैंक ने सबसे अधिक 82.59 लाख पीपीएफ और 20.32 लाख सुकन्या समृद्धि खातों को सेवा प्रदान की है। इसके अलावा वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान 5.35 लाख पीपीएफ खाते और 2.40 लाख सुकन्या समृद्धि खाते जोड़े गए हैं।

च. डीएंडटीबी-विपणन

डीएंडटीबी - विपणन, पूर्ववर्ती लेनदेन बैंकिंग इकाई (टीबीयू) ग्राहकों की थोक लेनदेन आवश्यकताओं के व्यापक समाधान के लिए तकनीक का उपयोग करता है जिससे उनके कुशल निधि प्रबंधन के साथ एमआईएस एवं समर्पित एकल ग्राहक सहायता बिंदु सहित अन्य मूल्य वर्धित सेवाएं उपलब्ध कराता है। डिजिटल और लेनदेन बैंकिंग सेवाएं आपके बैंक को ग्राहकों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखने और क्रेडिट, फंड प्रबंधन और क्रॉस सेलिंग जैसी उनकी अन्य बैंकिंग आवश्यकताओं का आकलन करने की सुविधा प्रदान करती हैं। वित्त वर्ष 2021 के दौरान, डीएंडजीबी ने कोविड-प्रेरित लॉकडाउन के दौरान दरवाजे की सेवाएं प्रदान करने और लेनदेन को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आपका बैंक कॉरपोरेट, सरकारी विभागों, वित्तीय संस्थानों और एसएमई ग्राहकों को डी एंड टीबी उत्पादों/सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। एसएमई के साथ कॉरपोरेट और सरकारी ग्राहक बैंक के लिए प्रमुख फोकस सेगमेंट बने हुए हैं। बाजार के रुझानों के अनुरूप, आपका बैंक ग्राहक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रदान किए जाने वाले डीएंडटीबी उत्पादों/सेवाओं की श्रृंखला को प्रतियोगियों द्वारा पेश की जाने वाली बाजार में उपलब्ध उत्पादों के अनुरूप लगातार अद्यतन/विकसित कर रहा है। कोविड-19 के दौरान डिजिटल लेनदेन मोड के माध्यम से ग्राहकों के व्यवसायों को मजबूत करने के लिए, डी एंड टीबी मार्केटिंग ने वर्ष के दौरान कई अभियान आयोजित किए।

महामारी से उत्पन्न चालू वर्ष की चुनौतियों के कारण व्यवसायों के लॉकडाउन के बावजूद, वित्त वर्ष 2020 में वित्त वर्ष 2020 में डी एंड टीबी शुल्क आय 1,902.77 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2021 में 2,009.75 करोड़ रुपये हो गई।

वित्त वर्ष 2021 के कारोबार में वर्षानुवर्ष10.92% की वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें वित्त वर्ष 2020 के 60,98,347 करोड़ रुपये की राशि के लेनदेन से बढ़कर वित्त वर्ष 2021 में 67,64,137 करोड़ रुपये हो गई।

आपके बैंक को 2020 में लगातार चौथे वर्ष एशियाई बैंकर पत्रिका, सिंगापुर द्वारा "सर्वश्रेष्ठ लेनदेन बैंक इन इंडिया" के रूप में मान्यता दी गई थी। आपके बैंक को 2020 में लगातार दूसरे वर्ष एशियन बैंकर पत्रिका, सिंगापुर द्वारा "बेस्ट पेमेंट बैंक इन इंडिया" के रूप में भी मान्यता दी गई थी।

2. ग्लोबल बैंकिंग

क कॉरपोरेट लेखा समूह

कॉरपोरेट लेखा समूह (सीएजी) आपके बैंक की एक समर्पित रणनीतिक व्यापार इकाई (एसबीयू) है जो विशेष और कुशल वितरण प्लेटफॉर्म की यूएसपी के साथ 'उच्च मूल्य क्रेडिट' के पोर्टफोलियो को संभालते हैं। सीएजी एसबीयू की चार विशेष शाखाएं हैं, जिसका नेतृत्व महाप्रबंधक के द्वारा किया जाता है जो भारत के शीर्ष तीन वाणिज्यिक केंद्रों मुंबई, दिल्ली और चेन्नई में स्थित हैं।

एसबीआई में, सीएजी एक एकीकृत इकाई है, जो विशेष रूप से अपने विदेशी सहयोगियों और सहायक कंपनियों सहित शीर्ष रेटेड कॉरपोरेट्स को वित्तीय उत्पादों और सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला एक ही स्थान पर प्रदान करता है।

सीएजी का बिजनेस मॉडल रिलेशनशिप मैनेजमेंट कॉन्सेप्ट पर आधारित है और प्रत्येक क्लाइंट/बिजनेस ग्रुप को रिलेशनशिप मैनेजर के पास मैप किया जाता है जो एक क्रॉस-फंक्शनल क्लाइंट सर्विस टीम का नेतृत्व करता है जिसमें अत्यधिक कुशल क्रेडिट और ऑपरेशंस पदाधिकारी शामिल होते हैं ।

संबंध रणनीति को एक निर्दिष्ट समय सीमा के भीतर संरचित उत्पादों सहित ग्राहकों को एकीकृत, निर्दिष्ट और व्यापक समाधान देने पर बल दिया जाता है। इस रणनीति का मुख्य उद्देश्य आपके बैंक को शीर्ष कॉरपोरेट्स की पहली पसंद बनाना है। वरिष्ठ प्रबंधन द्वारा प्रत्येक कॉरपोरेट संबंधों की नियमित समीक्षा सीएजी में संबंध प्रबंधन के लिए बेंचमार्क निर्धारित करता है ।

विभिन्न कोर क्रेडिट उत्पादों के अलावा, सीएजी अन्य एसबीयू और एसबीआई की सहायक कंपनियों जैसे एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड और एसबीआई गिल्ट्स लिमिटेड के सहयोग से नकदी प्रबंधन उत्पाद, ट्रेजरी और विदेशी मुद्रा उत्पादों और मर्चेंट बैंकिंग उत्पादों जैसे ग्राहक विशिष्ट उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है।

सीएजी शाखाओं में ग्राहक सेवा टीम एसबीआई के सहयोगियों और नीचे सूचीबद्ध सहायक कंपनियों द्वारा प्रदान किए जाने वाले विभिन्न प्रकार के उत्पादों/सेवाओं के चयन और वितरण में ग्राहकों की सहायता भी करते हैं:

- पूंजी बाजार आवश्यकताओं के लिए - एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड (एसबीआईकैप्स)
- ट्रेजरी और निवेश के लिए - एसबीआई जीआईटीटीएस और एसबीआई सिक्योरिटीज
- निवेश के लिए - एसबीआई म्यूचुअल फंड लिमिटेड
- जनरल और लाइफ इंश्योरेंस के लिए - एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड
- प्राप्य आढ़ती के लिए - एसबीआई ग्लोबल फैक्टर्स लिमिटेड

बदलते बैंकिंग परिदृश्य के साथ संरेखित करने के लिए, आपके बैंक ने सीएजी बिजनेस वर्टिकल के भीतर दो विशेष व्यावसायिक इकाइयां बनाई हैं:

- कॉरपोरेट सॉल्यूशंस ग्रुप (सीएसजी)- ग्राहकों की 360 डिग्री बैंकिंग आवश्यकताओं को देखने के लिए, विशेष रूप से क्रेडिट लाइट क्षेत्रों में जैसे-फार्मा, एफएमसीजी, आईटी और ऑटो सहित अन्य क्षेत्रों के बीच ।
- वित्तीय और संस्थागत समूह (एफआइजी) - बीमा कंपनियों, ब्रोकरेज फर्मों, बैंकों (निजी और विदेशी) और म्यूचुअल फंड जैसे वित्तीय संस्थानों की क्रेडिट और लेनदेन बैंकिंग आवश्यकताओं को संबोधित करने के लिए।

31 मार्च 2021 तक सीएजी का कुल ऋण पोर्टफोलियो 5.42 लाख करोड़ रुपये (फंड आधारित - 3.61 लाख करोड़ रुपये और गैर-निधि आधारित - 1.81 लाख करोड़ रुपये) था। जबकि यह 31 मार्च 2020 तक कुल 5.37 लाख करोड़ रुपये (फंड आधारित- 3.64 लाख करोड़ रुपये और गैर-निधि आधारित- 1.73 लाख करोड़ रुपये) का कुल ऋण पोर्टफोलियो था। पर्याप्त तरलता और उदार ब्याज दर के कारण, शीर्ष रेटेड कॉरपोरेट्स ने अपनी उधारी को सीपीएस, एनसीडी जैसे बाजार से संबंधित साधनों की ओर स्थानांतरित कर दिया। इसलिए, वर्ष के दौरान निवेश खाते में पर्याप्त वृद्धि हुई ।

देश के प्रमुख शीर्ष कॉरपोरेट और नवरत्न पीएसयू सीएजी बिजनेस यूनिट के सम्मानित ग्राहक हैं।

ख. राजकोषीय परिचालन

वैश्विक बाजार आपके बैंक के ट्रेजरी परिचालन का निष्पादन करता है। वांछित जोखिम-समायोजित रिटर्न प्राप्त करने के लिए यह अधिशेष धन निवेश के लिए जिम्मेदार है। ग्लोबल मार्केट्स के पोर्टफोलियो में एसएलआर और नॉन-एसएलआर सिक्योरिटीज, सार्वजनिक रूप से कारोबार करने वाली इक्विटीज, वेंचर कैपिटल फंड्स, प्राइवेट इक्विटी और स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टमेंट्स में निवेश शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, यह कई उत्पादों और सेवाओं के द्वारा ग्राहकों की विदेशी मुद्रा आवश्यकताओं को पूरा करता है।

पिछले एक साल कोविड-19 के कारण सभी के लिए चुनौतीपूर्ण रहा है। हालांकि, मजबूत प्रौद्योगिकी समाधानों के उपयोग के माध्यम से, आपका बैंक इस परीक्षण अवधि के दौरान हमारे ट्रेजरी ग्राहकों के लिए सभी स्वास्थ्य से संबंधित सुरक्षा सावधानियों का पालन करते हुए निर्बाध सेवाएं प्रदान करने में सफल रहा है।

1. ब्याज दरों में परिवर्तन और आपके बैंक के एसएलआर और गैर-एसएलआर पोर्टफोलियो

वैश्विक बाजार आपके बैंक के घरेलू निवेश पोर्टफोलियो का प्रबंधन करते हैं और सीआरआर (आरक्षित नकदी निधि अनुपात) और एसएलआर की नियामक आवश्यकताओं को भी बनाए रखते हैं। कोविड-19 महामारी का दुनिया भर में अर्थव्यवस्थाओं और वित्तीय बाजारों पर बड़ा प्रभाव जारी है। वित्त वर्ष 2021 की पहली तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था में -23.9% वर्षानुवर्ष जीडीपी वृद्धि से 0.4% की वी-शेप मजबूत रिकवरी हुई थी क्योंकि शुरुआती लॉकडाउन के बाद अर्थव्यवस्था के बड़े हिस्से खुल गए थे। हालांकि, वित्त वर्ष 2021 के अंत में,कोविड -19 के एक नए वायरस स्ट्रेन के कारण एक और लॉकडाउन का खतरा मंडरा रहा है।

कोविड -19 के कारण कम राजस्व से निपटने के लिए, सरकार ने बजटीय 7.8 लाख करोड़ रुपये से अपने सकल उधार को बढ़ाकर 13.7 लाख करोड़ रुपये कर दिया। इसके साथ ही आधार धातुओं की वैश्विक कीमतों में इजाफा और घरेलू बाजारों में आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के कारण मुद्रास्फीति में वृद्धि हुई । सीपीआई नवंबर 2020 तक 6% से ऊपर रही, जो अक्टूबर 2020 में 7.61% की ऊंचाई को छू रहा था, इसके बाद सब्जियों की कीमतों में तेज गिरावट और अनुकूल आधार प्रभाव के कारण आसान हो गया।

वित्त वर्ष 2021 के दौरान आरबीआई ने अर्थव्यवस्था को समर्थन देने के लिए विभिन्न मौद्रिक उपाय किए। भारतीय रिजर्व बैंक ने वर्ष के दौरान अपने "उदार" रुख को जारी रखा, नीति रेपो दर को 4.40% से 4% तक और रिवर्स रेपो दर को 4.00% से 3.35% तक और अपरंपरागत उपाय किए जैसे लक्षित दीर्घकालिक रेपो ऑपरेशंस (टीएलटीआरओ), असममित ओपन मार्केट ऑपरेशंस (ओएमओ) और प्रतिभूतियों की एक साथ बिक्री और खरीद। भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों की सीआरआर आवश्यकता में एनडीटीएल (नेट डिमांड एंड टाइम लायबिलिटीज) के 1% की कटौती की और तरलता कवरेज अनुपात के रखरखाव में छूट प्रदान की। बड़े जी-सेक/एसडीएल के अवशोषण को कम करने के लिए, आरबीआई ने एचटीएम सीमा को एनडीटीएल के 19.5% से बढ़ाकर 22% कर दिया। आरबीआई ने ओपन मार्केट ऑपरेशंस (ओएमओ) के तहत प्रतिभूतियों की खरीद के माध्यम से 3.17 लाख करोड़ रुपये की शुद्ध तरलता भी जोड़ी। इन उपायों के कारण, 10 साल के बेंचमार्क बॉन्ड यील्ड 6.50% (09 अप्रैल 2020) के उच्च स्तर से गिरकर 5.72% (22 मई 2020) के निचले स्तर पर आ गया।

वर्ष के दौरान, जमा वृद्धि मजबूत थी और अग्रिम वृद्धि सीमित थी जिससे आपके बैंक में साथ अधिशेष तरलता हुई। इसके परिणामस्वरूप सरकारी प्रतिभूतियों और कॉरपोरेट बांडों में फैले अतिरिक्त निवेशों के साथ इस वर्ष ऋण प्रतिभूतियों में हमारे निवेश तेजी से बढ़ रहे हैं। दूसरी ओर, कम ब्याज दरों ने पोर्टफोलियो एनआईएम्स पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। आपके बैंक ने सक्रिय रूप से टीएलटीआरओ और आंशिक क्रेडिट गारंटी योजना (पीसीजीएस) में भाग लिया, जो आरबीआई और आर्थिक सुधार के लिए वित्तपोषण में सुधार के सरकार के प्रयासों को समर्थन मिल सके।

2. इक्विटी बाजार

कुछ देशों में कोविड-19 के तेजी से फैलने के कारण फरवरी 2020 के महीने के बाद से वैश्विक इक्विटी बाजारों में अनिश्चितता का माहौल रहा। प्रमुख केंद्रीय बैंकों द्वारा बड़े तरलता उपायों के कारण भारतीय इक्विटी बाजारों में महत्वपूर्ण एफपीआई प्रवाह हुआ। नवंबर, 2020 से एफपीओई निवेशों की गति में तेजी से वृद्धि हुई क्योंकि कम से कम तीन व्यवहार्य टीकों के उद्भव से वैश्विक महामारी के अंत की संभावनाओं में सुधार हुआ और सामान्य स्थिति में वापसी हुई। एफपीओई ने वित्त वर्ष 2021 में भारतीय इक्विटी बाजारों में 2.74 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया था।

मार्च 2020 की बिकवाली तथा वित्त वर्ष 2021 की रैली दोनों में आपके बैंक ने इक्विटी बाजारों में सक्रिय रूप से भाग लिया। अच्छी लिस्टिंग लाभ के साथ कई सफल आईपीओ वर्ष के दौरान देखे गए। प्राथमिक बाजार में आपके बैंक का निवेश उच्च रिटर्न उत्पन्न करने के लिए बहुत उपयोगी साबित हुआ। हम घरेलू और वैश्विक मैक्रो पर एक टैब रखते हुए बाजार परिवर्तनों के अनुसार खाते को फिर से संगठित करके इक्विटी पोर्टफोलियो का प्रबंधन करना जारी रखते हैं और मजबूत रिटर्न प्राप्त करने की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं।

3. प्राइवेट इक्विटी/वेंचर कैपिटल फंड

आपका बैंक पूरे वर्ष वैकल्पिक निवेश विकल्पों में सक्रिय रहा है। महामारी के बीच, आपके बैंक भाग ने गैर-कोर परिसंपत्तियों में अपनी हिस्सेदारी का विनिवेश किया और निवेश के कई नए अवसरों का आकलन किया । वर्ष के दौरान, आपके बैंक ने निजी इक्विटी/वैकल्पिक निवेश कोषों में लगभग 600 करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी दी।

4. विदेशी मुद्रा बाजार

जीएमयू आपके बैंक के विदेशी मुद्रा व्यवसाय को संभालता है, बाजारों को तरलता प्रदान करने के अलावा, ऑप्शन, स्वैप और फॉरवर्ड के माध्यम से अपनी मुद्रा प्रवाह और हेजिंग जोखिमों के प्रबंधन के लिए ग्राहकों को समाधान प्रदान करता है। आपका बैंक यूएसडी-रुपये स्पॉट और यूएसडी-रुपये के वायदा बाजारों में अग्रणी खिलाड़ी है और व्यापारी विदेशी मुद्रा प्रवाह में उच्च बाजार हिस्सेदारी है। आपका बैंक सीसीआईएल एफएक्स क्लियर प्लेटफॉर्म में तरलता प्रदान करने में अग्रणी है। मुद्रा वायदा में कारोबार की मात्रा एक्सचेंज हाउस के अग्रणी ग्राहक बैंकों के ब्रैकेट में अपने बैंक डालता है । आपका बैंक सीसीआईआईएल द्वारा शुरू किए गए एफएक्स-रिटेल प्लेटफॉर्म पर ग्राहकों को सक्रिय रूप से ऑनबोर्ड कर रहा है जिसके माध्यम से ग्राहकों को पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण से लाभ होगा। आपके बैंक ने ग्राहकों को उनकी आवश्यकताओं को देखते हुए एफएक्स ऑल और ई-फॉरेक्स ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म भी उपलब्ध कराए हैं। आपका बैंक हमारे योनो व्यापार मंच के माध्यम से पूरी तरह से डिजिटल व्यापार वित्त समाधान प्रदान करने पर भी काम कर रहा है।

इस साल आरबीआई ने भारतीय बैंकों को समुद्र पार यूएसडी-रुपये के बाजारों में भाग लेने की अनुमति दी है। तदनुसार, आपके बैंक ने समुद्रपारीय यूएसडी-रुपये के बाजार में भाग लेना शुरू कर दिया है।

व्यापार प्रवाह पर कोविड-19 संकट का प्रभाव इस साल भारतीय विदेशी मुद्रा बाजारों में महसूस किया गया था, हालांकि काफी अधिक निवेश प्रवाह से कुछ राहत मिली है। प्रौद्योगिकी का उपयोग करके, आपका बैंक अपने ग्राहकों को निर्बाध रूप से सभी विदेशी मुद्रा सेवाएं प्रदान करने में कामयाब रहा, जिसमें कॉरपोरेट ग्राहकों के घर से काम करने की व्यवस्था के लिए समायोजन शामिल है। हमने सुरक्षित वीपीएन के माध्यम से घर से काम करते हुए अपने सभी अभियानों को सफलतापूर्वक चलाने की हमारी क्षमता का भी परीक्षण किया है।

आपका बैंक वर्तमान में एक्सचेंज-ट्रेडेड करेंसी डेरिवेटिव और इंटरेस्ट रेट फ्यूचर्स के साथ-साथ ओवर द काउंटर (ओटीसी) इंटरेस्ट रेट और करेंसी डेरिवेटिव्स में डील करता है । आपके बैंक द्वारा कारोबार की जाने वाली ब्याज दर डेरिवेटिव रुपये की ब्याज दर स्वैप (ओआईएस), विदेशी मुद्रा ब्याज दर स्वैप (आईआरएस), विदेशी मुद्रा से रुपये की ब्याज दर स्वैप (MIFOR), फॉरवर्ड रेट एग्रीमेंट (एफआरए), कैप्स, फर्श और कॉलर हैं । आपके बैंक द्वारा निपटाए गए मुद्रा डेरिवेटिव क्रॉस करेंसी स्वैप (सीसीएस),USD/INR विकल्प और क्रॉस-करेंसी विकल्प हैं। उत्पादों को अपने बैंक के ग्राहकों को अपने जोखिम से बचाव के लिए की पेशकश कर रहे हैं। कॉन्ट्रा पोजीशन को ऑप्शन या MIFOR बुक में रखा जा सकता है या इंटरबैंक में बैक टू बैंक कवर किया जा सकता है। डेरिवेटिव का उपयोग आपके बैंक द्वारा व्यापार के साथ-साथ बैलेंस शीट उद्देश्यों को हेजिंग करने के लिए किया जाता है।

व्युत्पन्न लेन-देन में बाजार जोखिम होता है, अर्थात ब्याज दरों/विनिमय दरों में प्रतिकूल आंदोलनों के परिणामस्वरूप आपके बैंक को संभावित नुकसान उठाना पड़ सकता है । यह क्रेडिट जोखिम भी वहन करता है, यानी, यदि प्रतिपक्ष अपने दायित्वों को पूरा करने में विफल रहते हैं तो आपके बैंक को संभावित नुकसान हो सकता है। बोर्ड द्वारा अनुमोदित आपके बैंक की "डेरिवेटिव के लिए नीति" डेरिवेटिव लेनदेन में प्रवेश करने के लिए बाजार जोखिम मापदंडों (ग्रीक सीमा, हानि सीमा, कट-लॉस ट्रिगर, ओपन पोजीशन सीमा, अवधि, संशोधित अवधि, पीवी01, अन्य लोगों के साथ-साथ ग्राहक पात्रता मानदंड (क्रेडिट रेटिंग, स्वीकृत सीमा, और सीएसी रेटिंग ग्राहक उपयुक्तता और उपयुक्तता नीति के अनुसार) निर्धारित करती है। इस उद्देश्य के लिए निर्धारित सीमाओं के माध्यम से इंटरबैंक प्रतिपक्षों पर जोखिम की निगरानी की जाती है । इन प्रतिपक्षों को हमारे साथ आईएसडीए को निष्पादित करने की आवश्यकता है।

आपके बैंक में विभिन्न प्रकार के जोखिमों की निगरानी के लिए विभिन्न समितियां और विभाग मौजूद हैं। आस्ति देयता प्रबंधन समिति (एएलसीओ) तरलता जोखिमों के कुशल प्रबंधन की देखरेख करती है। बाजार जोखिम प्रबंधन विभाग (एमआरएमडी) डेरिवेटिव ट्रांजैक्शन से जुड़े बाजार जोखिम की पहचान, उपाय और निगरानी करता है। एमआरएमडी इन जोखिमों को नियंत्रित करने और प्रबंधित करने में एएलसीओ की सहायता करता है और नियमित अंतराल पर बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसीबी) को नीतिगत उपाय के अनुपालन की रिपोर्ट करता है।

अध्यक्ष, एसबीआई द्वारा स्थानीय प्रधान कार्यालय, चंडीगढ़ में 251 संयुक्त देयता समूहों को रुपए 5.0 करोड़ का संवितरण

[2] एफएक्स ऑल इलेक्ट्रॉनिक विदेशी मुद्रा विनिमय ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म एवं एग्रीगेटर
[3] ई-फॉरेक्स एसबीआई के ग्राहकों के लिए विदेशी मुद्रा विनिमय लेनदेन बुक करने के लिए

ग. अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग परिचालन

31 देशों में 229 उपस्थिति बिंदु

160

शाखाएं / कार्यालय
चीन (1)
दक्षिण कोरिया (1)
जापान (2)
भारत (1)

अनुषंगियां
इंडोनेशिया (11)
नेपाल (108)

संयुक्त उद्यम
भूटान (1)

प्रतिनिधि कार्यालय
फिलीपीन्स (1)

शाखाएं / कार्यालय
मालदीव (4)
श्रीलंका (5)
बांग्लादेश (18)
म्यॉमार (1)
सिंगापुर (5)
हांगकांग (1)

19

शाखाएं / कार्यालय
दक्षिण अफ्रीका (2)

अनुषंगियां
मॉरिशश (15)
बोत्सवाना (1)

निवेश
नाइजीरिया (1)

12

शाखाएं / कार्यालय
बहरीन (2)
यूएई (2)
ओमान (1)
इस्रायल (1)

प्रतिनिधि कार्यालय
ईरान (1)
दुबई (2)

एक्सचेंज कंपनी
ओमान (2)
दुबई (1)

2

शाखाएं
ऑस्ट्रेलिया (2)

डेरिवेटिव्स के लिए लेखांकन नीति आरबीआई के दिशा-निर्देशों के अनुसार तैयार की गई है, जिसका विवरण अनुसूची 17 के तहत प्रस्तुत किया गया है: वित्त वर्ष 2021 के लिए महत्वपूर्ण लेखा नीतियां (एसएपी)।

विदेश स्थित बैंकिंग अनुषंगियां/ संयुक्त उद्यम शेयरधारिता(%)

अनुषंगियां	
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कैलिफोर्निया)	100.00
एसबीआई कनाडा बैंक	100.00
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (यूके) लिमिटेड	100.00
कमर्शियल इंडो बैंक एलएलसी	60.00
एसबीआई (मॉरीशस) लिमिटेड	96.60
बैंक एसबीआई इंडोनेशिया	99.00
बैंक एसबीआई बोत्सवाना लिमिटेड	100.00
नेपाल एसबीआई बैंक लिमिटेड	55.00
विदेशी गैर-बैंकिंग अनुषंगियां	
एसबीआई सर्विकोस लिमिटाडा, ब्राजील	99.99
संयुक्त उद्यम	
बैंक ऑफ भूटान लिमिटेड	20.00

सही मायने में अंतर्राष्ट्रीय बैंक बनने के अपने प्रयास में, आपके बैंक का ध्यान विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में फैले भारतीय प्रवासियों और वैश्विक भारतीय कंपनियों का समर्थन करने के लिए भारत आधारित व्यवसाय के साथ विदेशी स्थानीय बाजारों में अपनी पैठ बढ़ाने के लिए फिर से संगठित किया गया है । आपके बैंक के विदेशी परिचालनों का प्रबंधन एक अलग व्यापार इकाई द्वारा किया जाता है - अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग समूह (आईबीजी) जिसकी अध्यक्षता उप प्रबंध निदेशक (आईबीजी) द्वारा की जाती है और इसकी देखरेख एमडी (आईबी, टीएंडएस) द्वारा की जाती है।

वैश्विक उपस्थिति

बैंक का पहला वैश्विक पदचिह्न जुलाई 1864 में कोलंबो, श्रीलंका में बैंक ऑफ मद्रास की शाखा (भारतीय बैंकों में पहला) के साथ था। 31 देशों में 229 कार्यालयों के माध्यम से सभी समय क्षेत्रों में उपस्थिति के साथ, आपका बैंक धीरे-धीरे दुनिया भर में अपने पंख फैला चुका है और भारतीय पीएसबी के बीच अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग का अग्रणी बन गया है। एसबीआई कार्यालयों के विदेशी कार्यालयों का प्रबंधन आईबीजी द्वारा किया जा रहा है।

खोले/ बंद किए गए कार्यालयों का विवरण निम्न तालिका में प्रस्तुत किया गया है:

विदेशी कार्यालय	**मार्च 20 को**	**वर्ष के दौरान खोले गए**	**वर्ष के दौरान बंद किए गए**	**मार्च 21 को**
शाखाएं/ उप कार्यालय/ अन्य कार्यालय	58	0	3	55
अनुषंगियां	(9)	0	0	(9)
अनुषंगियों को कार्यालय	163	0	0	163
प्रतिनिधि कार्यालय	7	0	1	6
संयुक्त उद्यम/ प्रबंधित विनिमय कं/ निवेश	5	0	0	5
योग	**233**	**0**	**4**	**229**

वित्त वर्ष 21 के दौरान, आपके बैंक ने अभीष्ट प्रदर्शन न करने वाले कार्यालयों को तर्कसंगत बनाकर अपने विदेशी संचालन को मजबूत करना जारी रखा जिससे लागत क्षमता में सुधार हो सके। बैंक ने चार विदेशी कार्यालयों-लेनासिया मार्केटिंग ऑफिस (दक्षिण अफ्रीका), सेलातर रेमिटेंस सेंटर (सिंगापुर), बाब-अल-बहरीन लिमिटेड सर्विस सेंटर (बहरीन) और इस्तांबुल (तुर्की) में इसके प्रतिनिधि कार्यालय को बंद कर दिया है । इस अवधि के दौरान, आपके बैंक ने कोविड 19 महामारी के कारण समेकन और मौजूदा वैश्विक परिदृश्य पर ध्यान केंद्रित करने के कारण नई शाखाएं/कार्यालय खोलने में कदम नहीं रखा है ।

कोविड19 और आईबीजी प्रतिक्रिया: कोविड-19, वैश्विक महामारी ने वैश्विक आर्थिक मंदी के विभिन्न अंशों में देशों को धकेला है। महामारी के नतीजों के अलावा, देश महामारी और स्वास्थ्य उपायों जैसे लॉक डाउन, आवाजाही प्रतिबंधों आदि दोनों के कारण होने वाले आर्थिक संकुचन को भी संभाल रहे हैं । आर्थिक गतिविधियों में मंदी और इसके परिणामस्वरूप वैश्विक व्यापार, निवेश आदि के स्तर पर प्रभाव देखा गया है ।

आपके बैंक ने महामारी के कारण विषम चुनौतियों के बावजूद दुनिया भर में हमारे कार्यालयों में अपनी मूल कार्यक्षमताओं की निरंतरता में उल्लेखनीय प्रतिबद्धता दिखायी है ।

आईबीजी ने अपने दायित्व आधार में विविधता लाकर विभिन्न कम लागत वाले विकल्पों के साथ अपने उच्च लागत वाले संसाधनों को प्रतिस्थापित करके बाजार में तरलता की कमी को देखते हुए संसाधनों की अपनी लागत को अनुकूलित करने के लिए अच्छी तरह से समायोजित किया है। इसने एशियाई देशों के विकास बैंकों जैसे जापान और कोरिया सहित बहु-स्तरीय एजेंसियों से अच्छी दरों पर दीर्घकालिक संसाधन जुटाए हैं। इसने खुदरा जमा में वृद्धि के लिए अपने डिजिटल मूल्य वर्धित उत्पाद एसबीआई योनो को नए भौगोलिक प्रदेशों में लांच किया है जिससे संपर्क रहित उत्पाद से इसका प्रसार बढ़ सके।

पहली छमाही के लिए धीमी व्यापार वृद्धि के बावजूद, आईबीजी न केवल वापस धीरे-धीरे अपने पूर्व कोविड व्यापार के स्तर को पुनः प्राप्त करने में सफल रहा बल्कि विभिन्न क्षेत्रों पर कोविड 19 के फैले प्रभाव के मद्देनजर परिसंपत्तियों की गुणवत्ता पर नियंत्रण सुनिश्चित करते हुए अपने विदेशी पोर्टफोलियो में वृद्धि दर्ज की है। आईबीजी द्वारा सावधानीपूर्वक ऋण निगरानी के अलावा, परिसंपत्ति की गुणवत्ता में और गिरावट के कारण नुकसान की संभावना को कम करने के लिए तनाव के लक्षण दिखाने वाली समस्या संपत्ति बही खातों को चुस्त किया गया है। परिणामस्वरूप व्यापार हानि चुनौतियों

जैसे गुणवत्तापूर्ण परिसंपत्तियों की कमी और विभिन्न नियामकों आदि द्वारा पूंजीगत व्यय पर सीमाओं के कारण कम ऋण लेने के बावजूद, आईबीजी अपनी परिसंपत्ति के स्तर बरकरार रखने में सक्षम रहा है। आपका बैंक दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों में बैंकों के साथ ऋण सिंडिकेशन सौदों में एक लीड व्यवस्थाकार के रूप में भी उभरा है। इसके अलावा, इसने मौजूदा संबंधों को सुदृढ़ करने और नए लोगों को गढ़ने के लिए निर्यातकों, बैंकों आदि के साथ विभिन्न लोकसंपर्क पहलों के माध्यम से ग्राहकों के साथ अपने जुड़ाव को बनाए रखा है।

विभिन्न व्यावसायिक चुनौतियों से निपटने के अलावा, अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग समूह (आईबीजी) ने स्थानीय विनियमों द्वारा निर्धारित आस्थगित और स्थगन सहित पुनर्गठन पैकेजों के माध्यम से अपने ग्राहकों को राहत प्रदान करने जैसे आवश्यक कदम उठाते हुए विदेशी नियामकों की अपेक्षाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया है। आईबीजी ने कोविड-19 के मद्देनजर विभिन्न देशों के नियामक ढांचे में बदलाव के लिए भी अनुकूलित किया है।

आईबीजी ने एलसी/बीजी, प्रेषण व्यवसाय आदि पर प्रभाव के कारण कम ऋण वृद्धि, गैर-ब्याज आय में गिरावट के बावजूद वर्ष के दौरान अच्छी लाभप्रदता बनाए रखी है। इसने अपनी आय धाराओं के पूरक के लिए मर्चेंट बैंकिंग, फैक्टरिंग सर्विसेज आदि जैसी विभिन्न नई व्यावसायिक पहलों पर शुरू किया।

आईबीजी के विशेषज्ञ विभागों ने विभिन्न मोर्चों पर योगदान देकर गति को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है:

1. क्रेडिट योगदान: बिजनेस ड्राइवर

आपके बैंक ने अन्य भारतीय और विदेशी बैंकों के साथ मिलकर और द्विपक्षीय व्यवस्थाओं के माध्यम से सिंडिकेटेड सौदों के माध्यम से बाहरी वाणिज्यिक उधारी के माध्यम से विदेशी मुद्रा में ऋण की व्यवस्था करके भारतीय कंपनियों को अपनी विकास रणनीति में मदद की है । अपने अनुकरणीय प्रयासों को मान्यता देते हुए, आपके बैंक को "सिंडिकेटेड लोन हाउस ऑफ द ईयर" भारत के रूप में चुना गया- एपीएमएलए (एशिया पैसिफिक लोन मार्केट एसोसिएशन) द्वारा भारत।

आपके बैंक ने भारतीय संबंधित कंपनियों को 8.9 अरब डॉलर और विदेशी संस्थाओं को 8.6 अरब डॉलर के विदेशी मुद्रा ऋण स्वीकृत किए हैं। ऊर्जा के क्षेत्र में, आपके बैंक ने अस्थिर कच्चे तेल और विदेशी मुद्रा की कीमतों के बीच भारत की ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने के मामले में तेल कंपनियों को धन प्रदान किया है, जिनका भारत के लिए महत्वपूर्ण रणनीतिक महत्व है। वर्तमान में, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संचालित एक व्यापक, अच्छी तरह से सुसज्जित शाखा नेटवर्क के माध्यम से निर्यातकों और आयातकों के लिए उत्पादों और सेवाओं की आपका बैंक एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है।

2 ट्रेड फाइनेंस

आपका बैंक एक व्यापक, अच्छी तरह से सुसज्जित शाखा नेटवर्क के माध्यम से निर्यातकों और आयातकों को कई व्यापार वित्त उत्पाद और सेवाएं प्रदान करता है जो भारत और विदेशों में सभी समय क्षेत्रों में संचालित होता है। आईबीजी का वैश्विक व्यापार विभाग (जीटीडी) व्यापार वित्त पोर्टफोलियो के सुव्यवस्थित विकास के लिए हमारे विदेश कार्यालयों (एफओ) की सुविधा और समर्थन करता है। जीटीडी नीतियां तैयार करता है और बदलते नियामक मानदंडों और बाजार मांगों के अनुसार एफओ के लिए नए उत्पादों को प्रस्तुत करता है। यह व्यापार उत्पाद प्रसाद में सेवा की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए नई प्रौद्योगिकियों की शुरूआत में अग्रणी रहता है अर्थात, लेटर ऑफ क्रेडिट के तहत बिल डिस्काउंटिंग, बैंक में माध्यमिक बाजार भागीदारी /कॉरपोरेट रिस्क, भारत केंद्रित व्यापार क्रेडिट, ईसीए/एमएलए समर्थित व्यापार वित्त, आपूर्ति श्रृंखला वित्त कार्यक्रम, ऋण पत्र, बैंक गारंटी

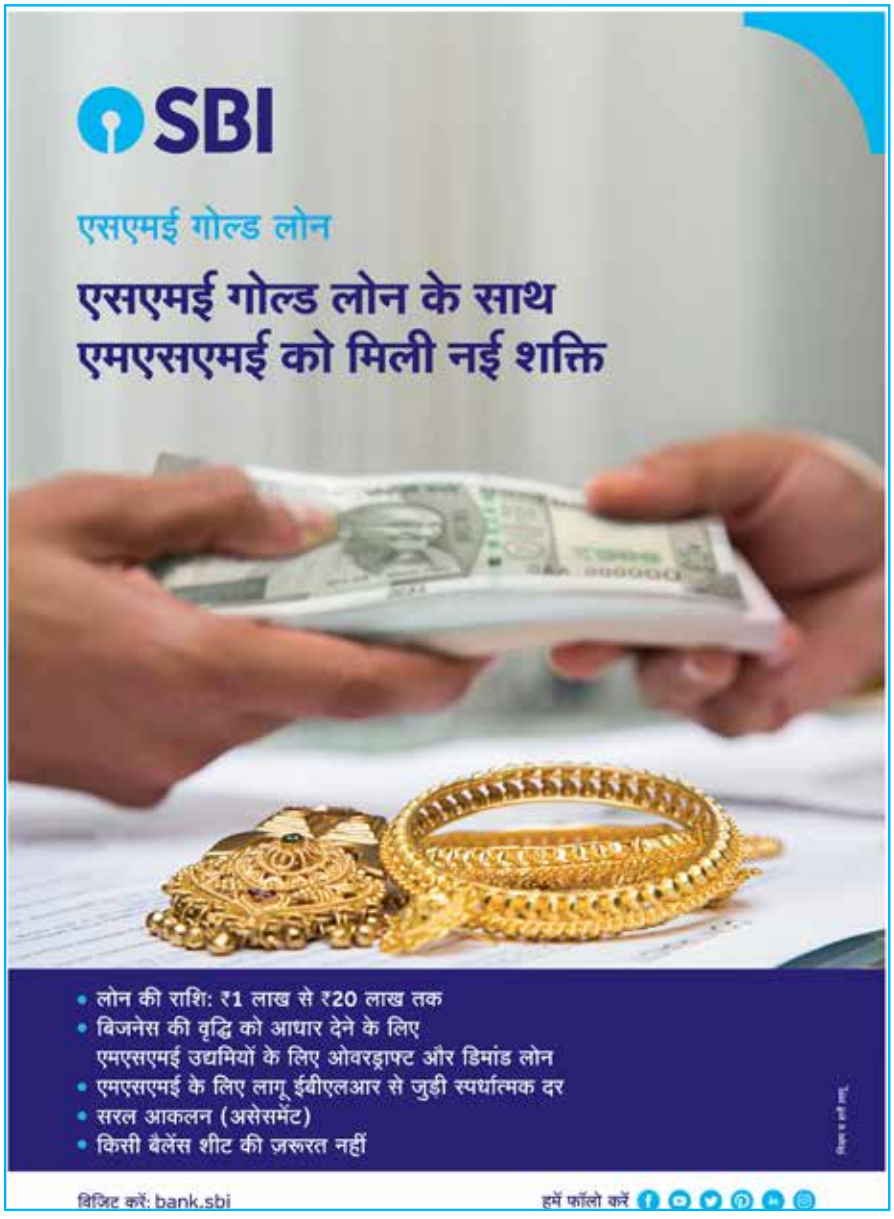

आदि । वित्त वर्ष 21 के दौरान, बैंक ने अपने व्यापार वित्त उत्पाद पोर्टफोलियो में फैक्टरिंग शुरू की है और अब यह हमारे विदेशी कार्यालयों में हमारे ग्राहकों के लिए उपलब्ध है। ग्राहक इंटरफेस और एएमएल/सीएफटी अनुपालन समाधान के साथ बैक एंड ऑपरेशंस के लिए मजबूत व्यापार वित्त प्रौद्योगिकी समाधान सभी एफओ पर उपलब्ध है।

जीटीडी भारतीय कंपनियों को बोली प्रक्रिया के केंद्रीकृत हैंडलिंग द्वारा उनके आयात के लिए व्यापार ऋण की सुविधा प्रदान करता है। यह रिटर्न को अधिकतम करने के लिए घरेलू और विदेशी कार्यालयों के बीच व्यापार प्रवाह में तालमेल बिठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है । यह बीएएफटी (बैंकर्स एसोसिएशन फॉर फाइनेंस एंड ट्रेड), जीटीआर (ग्लोबल ट्रेड रिव्यू) आदि के साथ साझेदारी करके व्यापार संबंधी कार्यशालाओं/सम्मेलनों का भी आयोजन करता है, जो वैश्विक व्यापार वित्त बाजार में नवीनतम रुझानों से परिचित होने के लिए व्यापार वित्त संचालन अधिकारियों के लिए एक अच्छा मंच प्रदान करते हैं । इसके अलावा, निर्यातकों/नियामकों/उद्योग की बड़ी कंपनियों के साथ नेटवर्किंग के लिए मंच प्रदान करने के लिए आईसीसी, फियो आदि के साथ साझेदारी करके कार्यशालाओं का भी आयोजन किया जाता है ।

आईबीजी एडवांस पोर्टफोलियो में ट्रेड फाइनेंस बिजनेस का ~ 27% का योगदान है। एसबीआई को ग्लोबल फाइनेंस मैगजीन द्वारा लगातार नौवें साल "बेस्ट ट्रेड फाइनेंस प्रोवाइडर (इंडिया) -2021' से सम्मानित किया गया है।

3. विदेशी ट्रेजरी प्रबंधन

अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग समूह में ट्रेजरी मैनेजमेंट ग्रुप (टीएमजी) विदेशी कार्यालयों के लिए निम्नलिखित कार्य करता है:

- तरलता प्रबंधन
- डीलिंग रूम ऑपरेशंस
- निवेश टीएमजी-आईबीजी

आईबीजी के समग्र तरलता पोर्टफोलियो का प्रबंधन करता है और एएलएम अनुपात पर भी नजर रखता है। टीएमजी बॉन्ड जारी करने (एमटीएन/स्टैंडअलोन 144ए), सिंडिकेटेड लोन आदि के माध्यम से दीर्घकालिक और मध्यम अवधि के फंड जुटाने के लिए नोडल विभाग है । इसके अलावा, टीएमजी उधार के विभिन्न साधनों का भी उपयोग करता है, ताकि संसाधनों की लागत को काबू में रखा जा सके । वित्त वर्ष के दौरान, संसाधनों की लागत को अनुकूलित करने के लिए, टीएमजी ने उच्च लागत वाले

श्री दिनेश खारा (अध्यक्ष), श्री अश्विनी भाटिया, प्रबंध निदेशक (जी बी एंड एस) एवं श्री वेंकट सी नागेश्वर, उप प्रबंध निदेशक (आईबीजी) - 28 जनवरी 2021 को बीएसई (इंडिया आई एनएक्स) के एमटीएन कार्यक्रम में यूएसडी 600 मिलियन नोट्स लांच के अवसर पर।

उधार और जमाओं का प्रीपेड किया है और उन्हें कम लागत वाले धन के साथ बदल दिया है। टीएमजी प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण पर विदेशी मुद्रा वित्त/पुनर्वित्त की व्यवस्था करने में अधिराष्ट्रिक संस्थाओं के साथ सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है ।

वित्त वर्ष 21 के दौरान, आपके बैंक ने जनवरी 2021 में 600 मियो के कुल निर्धारित कूपन के साथ बांड जारी किए हैं, जिसमें उप 2% (इस बांड का मूल्य निर्धारण) है जो भारत में पहली बार था।

टीएमजी बैंक के विदेशी परिचालनों की निवेश खाते का भी प्रबंधन करता है, जो वर्तमान में ~यूएसडी 5.8 बिलियन है। ये निवेश आईबीजी के लिए स्थिर ब्याज आय प्रदान करते हैं और तरलता अनुपात के रखरखाव में भी मदद करते हैं । विभाग प्रमुख केंद्रों पर निगरानी और डीलिंग रूम को मार्गदर्शन भी प्रदान करता है, और एफओ पर मनी मार्केट, विदेशी मुद्रा और व्युत्पन्न कार्यों की सुविधा प्रदान करता है। वर्तमान में लंदन, न्यूयॉर्क, हांगकांग और बहरीन में चार प्रमुख डीलिंग रूम हैं, जो एक हब और स्पोक मॉडल पर काम करते हैं और अपने संचालन में छोटे विदेशी कार्यालयों की मदद करते हैं। वित्त वर्ष 21 के दौरान, आपके बैंक ने हांगकांग, सिंगापुर और आईएफएससी बीयू (गांधीनगर) के माध्यम से रुपये गैर-डिलिवरेबल फॉरवर्ड (एनडीएफ) में व्यापार शुरू किया है और इस गतिविधि को अन्य केंद्रों में भी विस्तारित करने की आशा कर रहा है।

4. वैश्विक भुगतान और सेवाएं

अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग समूह (आईबीजी) के तहत एक इकाई ग्लोबल पेमेंट्स एंड सर्विसेज(जीपीएंडएस) में तीन शाखाएं/ कार्यालय शामिल हैं, जैसे ग्लोबल लिंक सर्विसेज(जीएलएस), अंतरराष्ट्रीय सेवा शाखा मुंबई(आईएसबीएम), और अंतरराष्ट्रीय सेवा शाखा एर्नाकुलम(आईएसबीई)। यह विदेशी स्थानों से भारत के लिए ऑनलाइन आवकप्रेषण, विदेशी मुद्रा चेक संग्रह, वोस्ट्रो खातों के उद्घाटन और रखरखाव, एशियाई समाशोधन संघ(एसीयू) लेनदेन और विदेशी आर्थिक मामलों के लिए बैंक (BFEA), सोवियत संघ के लेनदेन की सुविधा प्रदान करता है। विभाग की मुख्य विशेषताएं हैं:

- विदेशों से भारत में आवक रुपये प्रेषण को चैनलाइज करने के लिए 45 एक्सचेंज कंपनियों और पांच बैंकों के साथ टाई-अप।
- वित्त वर्ष 21 के दौरान, घरेलू शाखाओं की ओर से जीपी एंड एस ने निर्यात बिलों (यूएसडी और यूरो में) और विदेशी मुद्रा चेक संग्रह की अच्छी खासी मात्रा को संभाला।
- इसी अवधि के दौरान, जीपीएंडएस ने विभिन्न वैश्विक केंद्रों से प्राप्त 9.04 अरब डॉलर की राशि के ऑनलाइन आवक प्रेषण लेनदेन को संभाला।
- इस समय इकाई द्वारा विभिन्न संवाददाता बैंकों/विनिमय कंपनियों/एसबीआई विदेश कार्यालयों के लिए 172 वोस्ट्रो खाते रखे जा रहे हैं।

- एसबीआई के लिए एसीयू लेनदेन को संभालने के लिए जीपीएंडएस पैन इंडिया नोडल कार्यालय है।

5. खुदरा कार्यनीति

आपका बैंक अपने विशेष खुदरा और प्रेषण उत्पादों के माध्यम से दुनिया के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले एनआरआई के लिए "भारत के लिए खिड़की" रहा है। वर्ष के लिए उल्लेखनीय उपलब्धियां हैं:

- योनो एसबीआई, बैंक की सबसे महत्वाकांक्षी और सुरक्षित डिजिटल पेशकश में से एक अब हमारे विदेशी कार्यालयों में ग्राहकों के लिए उपलब्ध करा दिया गया है। इसे यूके, मॉरीशस, मालदीव, बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका और कनाडा में सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया है, जिसमें यूके और कनाडा में गैर-फेस टू फेस अकाउंट ओपनिंग फैसिलिटी चल रही है। हम वित्त वर्ष 22 के अंत तक सिंगापुर, बहरीन और संयुक्त राज्य अमेरिका में एसबीआई योनो लॉन्च करने की योजना बना रहे हैं। योनो के माध्यम से 40,000 से अधिक विदेशी ग्राहकों को शामिल किया गया है।
- योनो एसबीआई यूके के "नमस्ते यूके" उत्पाद को लॉन्च किया गया है, जो संभावित भारतीय प्रवासी को भारत से ब्रिटेन में उतरने से पहले एसबीआई यूके के साथ खाता खोलने में सक्षम बनाता है। इसी तरह का उत्पाद कनाडा में भी शुरू किया जा रहा है,जिसमें भारतीय छात्रों के लिए छात्र जीआईसी खाते शामिल हैं, जिन्होंने कनाडा के विश्वविद्यालयों में दाखिला लिया है। हम आने वाले महीनों में सिंगापुर में भी इसी तरह का उत्पाद लॉन्च करने की योजना बना रहे हैं।
- योनो ग्लोबल की "वल व्यू" सुविधा हमारे विदेशी कार्यालयों के ग्राहकों को योनो ग्लोबल ऐप के माध्यम से अपने घरेलू एसबीआई खातों को देखने की अनुमति देती है, व्यावहारिक रूप से हमारे वैश्विक संस्करण के साथ घरेलू योनो एसबीआई की सभी पूछताछ सुविधाओं का विलय करती है। एसबीआई विदेशी कार्यालय के 2,200 से ज्यादा ग्राहक पहले से ही इस सुविधा का इस्तेमाल कर रहे हैं।

6. वित्तीय संस्थान समूह - कॉरेसपोंडेंट संबंध

यह समूह एक तरफ संवाददाता बैंकों, विदेशी सरकारी एजेंसियों और विकासात्मक वित्तीय संस्थानों, अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य चैंबर आदि जैसे अंतर्राष्ट्रीय हितधारकों के साथ बैंक के संबंधों को सुगम बनाता है और दूसरी ओर आईबीजी और अन्य व्यावसायिक वर्टिकल जैसे कॉरपोरेट लेखा समूह, वाणिज्यिक ग्राहक समूह, वैश्विक बाजार और राष्ट्रीय बैंकिंग समूह के बीच तालमेल की सुविधा प्रदान करता है।

- एफआईजी 56 देश में 227 बैंकों के बैंक संवाददाता नेटवर्क पर लाभ उठाना जारी है अपने एफआई सीआरएम (वित्तीय संस्थानों) के माध्यम से डेटा संचालित दृष्टिकोण अपनाकर अपने वैश्विक ग्राहकों के लिए आवश्यकतानुरूप वित्तीय समाधान वितरित करेंगे (वित्तीय संस्थान- ग्राहक संबंध प्रबंधन) आवेदन, जो संवाददाता बैंकों के साथ संबंधों के 360 डिग्री दृश्य प्रदान करता है।
- एफआईजी अपनी वैश्विक उपस्थिति का उपयोग करके सभी भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र के बैंकों के लिए एसबीआई को संवाददाता बैंक बनाने का प्रयास करता है और विदेशी वित्तीय संस्थानों के लिए दीर्घकालिक सिंडिकेटेड ऋण जुटाने के लिए हमारे संवाददाता नेटवर्क का उपयोग करता है ।
- एफआईजी उत्पाद के फोकस क्षेत्रों का विस्तार खाता संबंधो से बढ़कर व्यापार वित्त, ऋण, ट्रेजरी, ऋण पूंजी बाजार, विदेशी मुद्रा व्यापार, लेनदेन बैंकिंग, प्रेषण और मुद्रा समाशोधन तक विस्तृत हो गया है ।

7. अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग घरेलू

आपका बैंक घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संचालित एक व्यापक शाखा नेटवर्क के माध्यम से निर्यातकों और आयातकों को उत्पादों और सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित है।

अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग-घरेलू (आईबीडी) व्यापार वित्त और अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग से संबंधित क्षेत्रों में घरेलू कार्यालयों और विदेश कार्यालयों के बीच संपर्क के एक बिंदु के रूप में कार्य करता है । आईबीडी का उद्देश्य घरेलू कार्यालयों और विदेश कार्यालयों/संवाददाता बैंकों और व्यापारिक समुदाय के बीच एक मजबूत कड़ी के रूप में कार्य करके तालमेल और व्यापार प्रवाह में सुधार करना है।

व्यापार समुदाय को सुविधा उपलब्ध कराने के लिए, आईबीडी द्वारा हर साल विदेशी मुद्रा सेवा शुल्क को तर्कसंगत और बाजार के साथ समायोजित किया जा रहा है। आईबीडी एक्जिम एंटरप्राइज/स्विफ्ट में सिस्टम से संबंधित संवर्द्धन और अपडेट की सुविधा भी प्रदान करता है।

आईबीडी आईसीसी, फियो, फिक्की, सीआईआई आदि के साथ साझेदारी करके आईबी अधिकारियों के कौशल निर्माण में भी सक्रिय रूप से शामिल है और व्यापार संबंधों को विकसित करने और संबंधों को मजबूत करने के लिए व्यापार निकायों और आईसीसी उपसमूहों के साथ समन्वय और संपर्क के अलावा निर्यातकों/नियामकों/उद्योग की बड़ी कंपनियों के साथ नेटवर्किंग के लिए अच्छा मंच प्रदान करता है ।

प्रसंस्करण के लिए केंद्रीकृत समन्वय सेल विदेशी बैंक गारंटी (सीसीसी-एफबीजी) आवक

लीड अरेंजर एसबीआई दक्षिण अफ्रीका मे फर्स्ट रैंड बैंक के लिए यूएडी 400 मियो के सिंडिकेशन ऋण को लांच करते हुए। (बांयीं से दांयी ओर खड़े अधिकारी : श्री श्याम प्रसाद अंकाला (सीईओ, एसबीआई दक्षिण अफ्रीका), श्री वेंकट सी. नागेश्वर (उप प्रबंध निदेशक, एसबीआई) श्री सुरेश चायत् - सेक्टर डायरेक्टर एवं ग्लोबल हेड ऑफ बैंक्स एट रैंड मर्चेंट बैंक (फर्स्ट रैंड का डिवीजन और श्री पॉन इरविरन - हेड एशिया फर्स्ट रैंड समूह)

और जावक विदेशी बैंक गारंटी, विशेष रूप से आईबी-डोमेस्टिक के तत्वावधान में स्थापित की गई है ताकि संवाददाता बैंकों/विदेश कार्यालयों/ घरेलू बैंकों/घरेलू कार्यालयों को उनके काउंटर गारंटी के आधार पर घरेलू विदेशी बैंक गारंटी की मांग करने के लिए एक ही स्थान पर समाधान प्रदान किया जा सके ।

आईबीडी बैंक भर में फेमा अनुपालन में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विभाग फेमा/आरबीआई दिशानिर्देशों में संशोधन के संबंध में निर्देश जारी करने के अलावा आरबीआई/फेमा से संबंधित रिटर्न समय पर प्रस्तुत करना सुनिश्चित करता है। विदेशी प्रत्यक्ष निवेश/प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के लिए ग्राहकों की सुविधा के लिए आईबीडी ने आंतरिक प्रक्रियाओं और नीतियों को सुव्यवस्थित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है ताकि ग्राहक और बैंक नियामक की उम्मीदों को पूरा करने में सक्षम हों । आईबीडी व्यापार केंद्रीकरण और डिजिटलीकरण परियोजना के तहत हमारी व्यापार प्रक्रिया को दुरुस्त करने पर सावधानीपूर्वक काम कर रहा है और नवीनतम तकनीकी प्रणालियों और प्रक्रियाओं से लैस व्यापार वित्त को संभालने के लिए एक पूरी तरह से नया स्थापित किया गया है, जो वित्त वर्ष 22 के अंत तक कार्यात्मक होने की उम्मीद है ।

8. विदेशी कार्यालयों में प्रौद्योगिकी पहल

आपका बैंक प्रक्रियाओं को स्वचालित करने, ग्राहक अनुभव बढ़ाने और जोखिम का प्रबंधन करने के लिए प्रौद्योगिकी समाधानों का लाभ उठाना जारी रखता है। हमारे विदेशी कार्यालयों में की गई पहलों में शामिल हैं:

- आपके बैंक ने वर्ष के दौरान मॉरीशस से बांग्लादेश और खाड़ी से श्रीलंका तक दो प्रेषण गलियारे शुरू किए हैं।
- आपके बैंक ने अपनी हरित बैंकिंग और स्थिरता पहलों के हिस्से के रूप में अपने आंतरिक पत्राचार और अनुमोदन तंत्र के लिए एक इन-हाउस पेपरलेस समाधान विकसित किया है। इसे कारपोरेट केंद्र के साथ-साथ हमारे कुछ भौगोलिक क्षेत्रों में शुरू किया गया है और जून 2021 तक अन्य सभी भौगोलिक क्षेत्रों में लागू होने की उम्मीद है।
- आपके बैंक ने परिचालन क्षमता और लागत में कमी में सुधार करने और विदेशी कार्यालयों को व्यापार, अनुपालन और जोखिम के महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने के उद्देश्य से विदेशी कार्यालयों के लिए पूरे लेनदेन जीवन चक्र को संभालने के लिए मुंबई में एक केंद्रीकृत बैंक कार्यालय स्थापित किया है ।
- आपके बैंक ने फोकस्ड क्रेडिट मॉनिटरिंग और स्ट्रेस सिग्नल्स की पहचान के लिए इन-हाउस क्रेडिट मॉनिटरिंग टूल- 'अर्ली वार्निंग सिग्नल' सिस्टम भी विकसित किया है।
- आपके बैंक ने वर्ष के दौरान हमारे विदेश कार्यालयों के लिए विनियामक रिपोर्टों के लिए स्वचालन परियोजना भी शुरू की है और दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका में हमारे कार्यालयों के लिए प्रक्रिया पहले ही पूरी कर ली गई है । यह प्रक्रिया वित्त वर्ष 22 में 16 और देशों के लिए पूरी की जाएगी।

मंडल कॉल केंद्र (सीसीसी), अमरावती का श्री सी. एस. शेट्टी, प्रबंध निदेशक (आर एंड डीबी) द्वारा उद्घाटन